Report on Guest Lecture

Date: 22nd September 2023 **Venue: Department of Biotechnology**

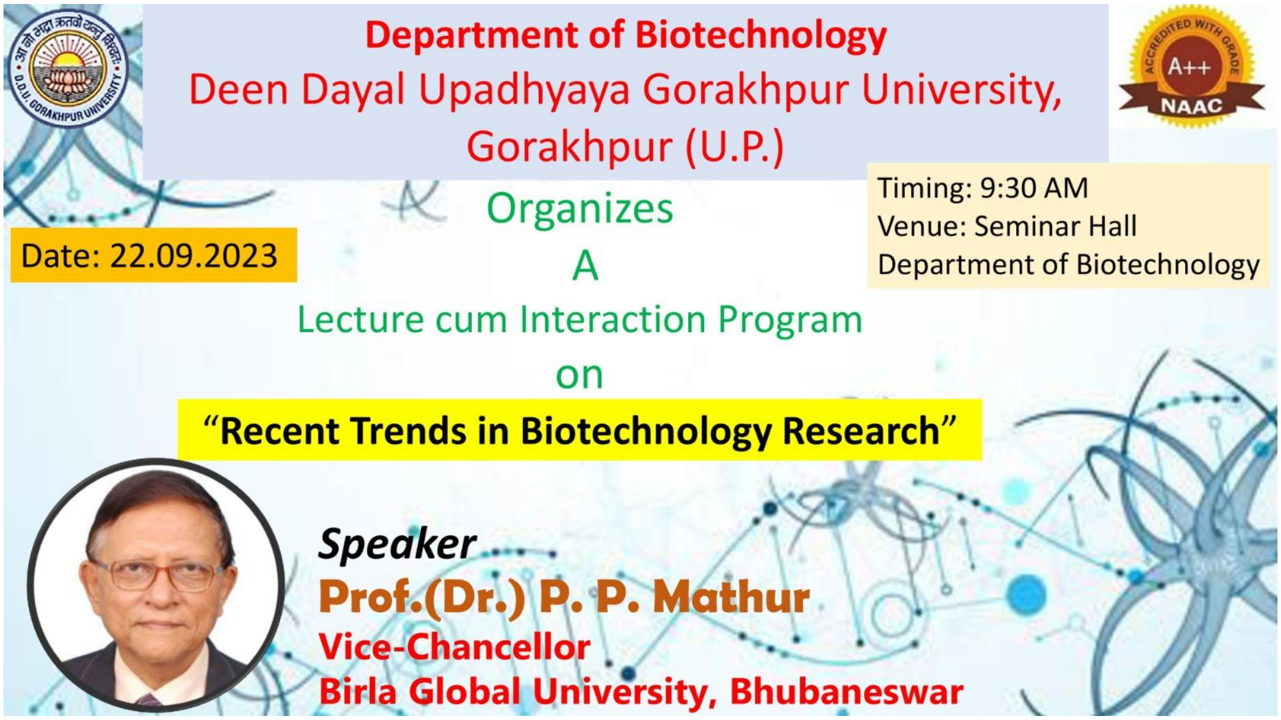

"जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे अनुसंधान के बेहतरीन अवसर" : प्रो. पी. पी. माथुर

आज के समय मे जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र मे अनुसंधान के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं। यह बात प्रोफेसर पी.पी. माथुर, कुलपति, बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर ने दी द उ गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलाजी विभाग मे शिक्षकों एवं छात्रों के साथ इन्टरैक्शन के दौरान बताई। वे डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग मे व्याख्यान के लिए आमंत्रित थे. उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी, नैदानिक अनुसंधान, फार्मास्युटिकल विज्ञान, नैदानिक प्रयोगशालाओं और कृषि क्षेत्रों के क्षेत्र में विभिन्न संभावनाओं पर अपनी बात रखी। पूरे सत्र के दौरान विचार-विमर्श न केवल कैरियर की संभावनाओं से संबंधित था, बल्कि भारत और विदेशों में उच्च अध्ययन के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं पर भी चर्चा हुई। छात्रों ने बायोटेक्नोलाजी विषय के विभिन्न क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं के संबंध में प्रोफेसर माथुर के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की। उन्होंने एक वैज्ञानिक व शिक्षक के तौर पर देश-विदेश के अपने अनुभवों को भी साझा किया। उन्होने अपने देश के विज्ञान से संबंधित विभिन्न एकेडमिक व रिसर्च संस्थाओं संबंधित जानकारियों से सबको अवगत कराया। प्रोफेसर दिनेश यादव और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजर्षि गौड़ ने प्रोफेसर माथुर का विभाग मे स्वागत किया। तत्पश्चात प्रो.माथुर ने कुलपति प्रो.पूनम टंडन और रजिस्ट्रार प्रो.शांतनु रस्तोगी से भी अनौपचारिक मुलाकात की और दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग और अवसर पर चर्चा की। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर शरद कुमार मिश्र ने दिया। इस कार्यक्रम में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स और एमएससी प्लांट बायोटेक्नोलॉजी और पीएचडी के छात्रों के साथ विभाग के डॉ. गौरव सिंह, डॉ. पवन तथा वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. रामवन्त गुप्ता, डा. मधुकर और डॉ. अशोक भी मौजूद थे।

'बॉयोटेक्नोलॉजी की फील्ड में रिसर्च के बेहतरीन अवसर'

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (22 Sept): आज के समय मे बॉयोटेक्नोलॉजी की फील्ड में रिसर्च के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं. यह बात बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. पीपी माथुर ने गोरखपुर यूनिवर्सिटी के बॉयोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट में टीचर्स और स्टूडेंट्स के साथ लेक्चर में इंटरैक्शन के दौरान कही. उन्होंने बॉयोटेक्नोलॉजी, क्लिनिकल रिसर्च, फार्मास्युटिकल साइंस, क्लिनिकल लैबोरेटरीज और एग्रीकल्चर फील्ड में विभिन्न संभावनाओं पर अपनी बात रखी. उन्होंने एक वैज्ञानिक व शिक्षक के तौर पर देश-विदेश के अपने अनुभवों को भी साझा किया. उन्होने अपने देश के विज्ञान से संबंधित विभिन्न एकेडमिक व रिसर्च संस्थाओं संबंधित जानकारियों से सबको अवगत कराया. एचओडी प्रो. राजर्षि गौड़ और प्रो. दिनेश यादव ने प्रो. माथुर का स्वागत किया. धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शरद कुमार मिश्र ने किया. कार्यक्रम में एमएससी बॉयोटेक्नोलॉजी, एमएससी बायोइंफॉर्मेटिक्स, एमएससी प्लांट बायोटेक्नोलॉजी और पीएचडी के स्टूडेंट्स के साथ डॉ. गौरव सिंह, डॉ. पवन, डॉ. रामवंत गुप्ता, डॉ. मधुकर और डॉ. अशोक मौजूद रहे.

जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान के अपार अवसर

व्याख्यान

गोरखपुर, निज संवाददाता। बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर के कुलपति प्रो. पीपी माथुर ने कहा कि आज के समय में जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान के बेहतर अवसर उपलब्ध हैं। वह शुक्रवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलाजी विभाग में आयोजित व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी, नैदानिक अनुसंधान, फार्मास्युटिकल विज्ञान, नैदानिक प्रयोगशालाओं और कृषि के क्षेत्र में विभिन्न संभावनाओं पर अपनी बात रखी। करियर की जानकारी के साथ ही उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के भी टिप्स दिए। प्रो. दिनेश यादव और विभागाध्यक्ष प्रो. राजर्षि गौड़ ने प्रो. माथुर का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शरद कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यान के बाद प्रो. माथुर ने कुलपति प्रो. पूनम टंडन और कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी से भी अनौपचारिक मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग और अवसर पर चर्चा की। कार्यक्रम में डॉ. गौरव सिंह, डॉ. पवन डॉ. रामवन्त गुप्ता, डा. मधुकर और डॉ. अशोक भी मौजूद रहे।

डीडीयू के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में आयोजित व्याख्यान के बाद बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. पीपी माथुर।

गोविवि में शुरू होगा फार्मेसी का पाठ्यक्रम

स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की समीक्षा बैठक में कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने रखे विचार

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन की अध्यक्षता में शुक्रवार को कौशल विकास एवं रोजगारपरक स्ववित्तपोषित सर्टिफिकेट, डिप्लोमा व डिग्री पाठ्यक्रमों के समन्वयकों और अधिकारियों की बैठक प्रशासनिक भवन में हुई। कुलपति ने सभी समन्वयक से एक-एक कर उनके द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि फार्मेसी के पाठ्यक्रमों की काफी मांग है। फार्मेसी, इंजीनियरिंग और एग्रीकल्चर का भविष्य है।

समीक्षा में सामने आया कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में विश्वविद्यालय द्वारा ऑफर किए गए 100 स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में से करीब 40 में विद्यार्थियों की स्थिति अच्छी है और ये पाठ्यक्रम सुचारू रूप से संचालित किए जा सकते हैं।

कुलपति ने कहा कि जिन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की संख्या कम हुई है यह चिंताजनक है। समन्वयकों को पाठ्यक्रम के संचालन में सुधार करने की आवश्यकता है, जिससे पाठ्यक्रम की मांग बढ़े।

बैठक में कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, प्रो. विनय सिंह, प्रो. अजय शुक्ल, प्रो. एसके सिंह, प्रो. सुषमा पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

पाठ्यक्रम की स्थिति दो दिन में उपलब्ध कराएं : कुलपति ने सभी समन्वयक से पाठ्यक्रम की आर्थिक स्थिति (आय-व्यय), फैकल्टी की मांग व अन्य आवश्यकता वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए दो दिन के अंदर उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया।

विश्वविद्यालय में संचालित स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की ली जानकारी

'पाठ्यक्रमों का बेहतर ढंग से करें संचालन'

कुलपति ने कहा कि पाठ्यक्रमों को बेहतर ढंग से संचालित किया जाए, जिससे विद्यार्थी पठन-पाठन से संतुष्ट हों, उनके कौशल का विकास हो और रोजगार पाने में सहायक हों। थ्योरी के साथ समन्वयक प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर विशेष ध्यान दें।

राजभवन ने की एनआईआरएफ रैंकिंग की तैयारियों की समीक्षा

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों की एनआईआरएफ रैंकिंग की तैयारियों की ऑनलाइन समीक्षा बैठक शुक्रवार को राजभवन की ओर से की गई।

सभी विश्वविद्यालयों ने बारी-बारी से तैयारियों की जानकारी एवं प्रजेंटेशन दिया। गोविवि की तरफ से कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने तैयारियों के बारे में विस्तृत प्रजेंटेशन दिया।

बैठक में राजभवन ने दिए गए निर्धारित प्रारूप पर सूचनाओं को एकत्रित कर सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। सभी को निर्देशित किया कि परसेप्शन के लिए अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविद्, पुरातन छात्र, एंपलॉयर, कोलिबेटिव रिसर्च करने वाले अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संस्थाओं के शिक्षकों के नाम की सूची तैयार कर उसे राजभवन को प्रेषित करें।

गोविवि की कुलपति उत्तर प्रदेश सेंटर फॉर रैंकिंग एक्रीडिटेशन एंड मेंटरशिप (उपक्रम) की महानिदेशक रही हैं। इसका उद्देश्य प्रदेश के सभी राज्य विश्वविद्यालयों को विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान बनाने से लेकर क्वालिटी एजुकेशन देने और इंटरनेशनल हाई रैंकिंग लाने के लिए तैयार करना है।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दी तैयारियों की जानकारी

गोविवि और महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में छात्रसंघ का चुनाव कराने समेत चार सूत्रीय मांगों से संबंधित ज्ञापन छात्रों ने शुक्रवार को कुलपति प्रो. पूनम टंडन को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से छात्रसंघ चुनाव कराने, पूर्व छात्रनेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हरिशंकर तिवारी की प्रतिमा स्थापित कराने, एनसी छात्रावास से पीएसी हटाने और विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर महिला सुरक्षाकर्मी की व्यवस्था करने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में छात्र नेता प्रतीक तिवारी, सत्यम गोस्वामी, अनूप दुबे, विजय यादव आदि शामिल रहे। संवाद

'बॉयोटेक्नोलॉजी में अनुसंधान के अवसर'

गोरखपुर। बॉयोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में रिसर्च के बेहतरीन अवसर उपलब्ध हैं। यह बात बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. पीपी माथुर ने कही। वह शुक्रवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय के बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग में आयोजित व्याख्यान को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। प्रो. माथुर ने जैव प्रौद्योगिकी, नैदानिक अनुसंधान, फार्मास्युटिकल विज्ञान, नैदानिक प्रयोगशालाओं और कृषि के क्षेत्र में विभिन्न संभावनाओं पर अपनी बात रखी। कॅरियर की जानकारी के साथ ही उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के भी टिप्स दिए। प्रो. दिनेश यादव और विभागाध्यक्ष प्रो. राजर्षि गौड़ ने प्रो. माथुर का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शरद कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम में डॉ. गौरव सिंह, डॉ. पवन डॉ. रामवन्त गुप्ता, डॉ. मधुकर और डॉ. अशोक भी मौजूद रहे।

कुलपति से भी मिले प्रो. माथुर

***व्याख्यान** के बाद प्रो. माथुर ने कुलपति प्रो. पूनम टंडन और कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी से भी अनौपचारिक मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग और अवसर पर चर्चा की। संवाद*

कार्यालयः अधिशासी अभियन्ता, नगर निगम, गोरखपुर